आर्थिक सर्वेक्षण, दिल्ली 2023–24, मुख्य अंश

दिल्ली की अर्थव्यवस्था

1. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार, दिल्ली को एक विश्व स्तरीय शहर में बदलने और इसे एक समावेशी, न्यायसंगत और रहने योग्य वैश्विक शहर बनाकर अपने नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के उद्देश्य से काम कर रही है।

2. वर्ष 2023–24 के दौरान स्थिर मूल्यों पर दिल्ली के जीएसडीपी का अग्रिम अनुमान 1107746 करोड रुपये दर्ज किया गया है जो 2022–23 की तुलना में 9.17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

3. वर्ष 2023–24 के दौरान दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय का अग्रिम अनुमान 461910 रुपये है जो पिछले वर्ष की तुलना में 7.39 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

4. दिल्ली में कुल आर्थिक गतिविधि राष्ट्रीय स्तर की तुलना में अधिक तेजी से बहाल हुई है। वर्ष 2021–22 और 2022–23 में क्रमशः 8.76 प्रतिशत और 7.85 प्रतिशत की वृद्धि के साथ दिल्ली की वास्तविक जीएसडीपी में तेजी से सुधार हुआ, जो निम्न आधारभूत प्रभाव और अर्थव्यवस्था की अन्तर्निहित शक्तियों पर आधारित है।

5. दिल्ली की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का योगदान अधिक है। 2023–24 के दौरान प्रचलित मूल्यों पर सकल राज्य मूल्यवर्द्धित में इस क्षेत्र का योगदान 85.40 प्रतिशत है, इसके बाद द्वितीयक क्षेत्र का योगदान 13.02 प्रतिशत और प्राथमिक क्षेत्र का योगदान 1.58 प्रतिशत रहा।

6. दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय प्रचलित और स्थिर मूल्यों पर हमेशा राष्ट्रीय औसत की तुलना में लगभग 2.5 गुणा ज्यादा रही है।

7. दिल्ली ने राजस्व आधिक्य की अपनी स्थिति बनाये रखी है। वर्ष 2022–23 (अनंतिम) में यह बढ़कर 14457 करोड़ रुपये हो गया जबकि इसके पिछले वर्ष 2021–22 में यह 3270 करोड़ रुपये था। 2022–23 के दौरान दिल्ली का राजस्व आधिक्य जीएसडीपी का 1.42 प्रतिशत था और 2023–24 (बजट अनुमान) में यह 0.52 प्रतिशत है।

8. वर्ष 2013–14 में दिल्ली सरकार पर 32080.31 करोड़ रुपये का बकाया ऋण था जो इसके जीएसडीपी के 6.48 प्रतिशत के बराबर था। 31.03.2023 को बकाया ऋण राशि 40017.55 करोड रुपये थी जिससे ऋण–जीएसडीपी अनुपात 3.94 प्रतिशत पर आ गया।

9. राजस्व प्राप्तियों और ब्याज भुगतान के अनुपात में भी कमी आयी और यह 2022–23 में 5.21 प्रतिशत हो गया जबकि 2012–13 में यह अनुपात 11.20 प्रतिशत था। इससे स्पष्ट है कि ऋण समस्या नियंत्रण में है।

10. 2022–23 (अनंतिम) के दौरान दिल्ली सरकार के कर संग्रह में 18.35 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 2021–22 में 36 प्रतिशत वृद्धि रही थी।

11. वित्त वर्ष 2023–24 में 951 करोड़ रुपये के बजट प्रावधान के साथ "केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बदले अनुदान" और "केंद्रशासित प्रदेशों को केंद्रीय सहायता" को बजट अनुमान 2023–24 से "केंद्रशासित प्रदेशों को केंद्रीय सहायता" में जोड़ दिया गया है।

12. वर्ष 2023–24 का बजट 78,800 करोड़ रुपये का था जिसमें से 43,700 करोड़ रुपये रा.रा.क्षे.दिल्ली सरकार की स्कीम/कार्यक्रम/परियोजनाओं के लिये आवंटित किये गये। यह आवंटन 2022–23 (बजट अनुमान) के 43,600 करोड़ रुपये से 100 करोड़ रुपये अधिक था।

13. 2023–24 में योजना/कार्यक्रम/परियोजना बजट आवंटन में परिवहन क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और कुल बजट का 21 प्रतिशत इस क्षेत्र के लिए आवंटित किया गया, इसके बाद शिक्षा क्षेत्र के लिए 17%, जल आपूर्ति और स्वच्छता के लिए 15% और आवास और शहरी विकास के लिए 12% बजट आवंटित किया गया ।

14. दिल्ली में औद्योगिक श्रमिकों के लिए वार्षिक औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक वर्ष 2022 में 125.7 से बढ़कर वर्ष 2023 में 130.3 हो गया, जिसमें 4.6 अंक (3.7%) की वृद्धि दर्ज की गई।

पर्यावरण और वन तथा कृषि

15. वर्ष 1997 के बाद से वन और वृक्ष कवर क्षेत्र में बढोतरी हो रही है। दिल्ली सरकार की पहल से 2021 में वन और वृक्षों से घिरे क्षेत्र का दायरा बढ़कर 342 वर्ग किलोमीटर हो गया है। इससे कुल भौगोलिक क्षेत्र में वनों का हिस्सा बढ़कर 23.06 प्रतिशत हो गया है।

16. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के वायु प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में ठोस प्रयासों से जनवरी से दिसंबर 2023 के दौरान अच्छे दिन (अच्छे/संतोषजनक/एक साथ मध्यम दिन) जोकि 2018 में 158 से बढ़कर 2023 में 206 हो गया हैं।

17. 2011–12 के मूल्यों पर दिल्ली के सकल राज्य मूल्य संवर्द्धित (जीएसवीए) के प्रतिशत संवितरण ने कृषि और सहयोगी सेक्टर में गिरावट का रुझान दर्शाया। स्पष्ट रूप से कहा जाये तो जीएसवीए में कृषि क्षेत्र का प्रतिशत योगदान प्रचलित मूल्यों पर 2011–12 के 0.94 प्रतिशत से कम होकर 2023–24 में 0.32 प्रतिशत हो गया।

18. दिल्ली में पशु चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए 48 सरकारी पशु चिकित्सालय हैं, 29 पशु औषधालय, 01 प्रयोगशाला, 01 किसान सूचना केंद्र और दो (2) एम्बुलेटरी क्लीनिक हैं। सरकारी अस्पतालों में उपचारित पशुओं की संख्या पशु चिकित्सालय/औषधालय वर्ष 2011–12 के दौरान 4,15,986 से बढ़कर वर्ष 2022–23 में 5,49,198 और सितंबर 2023 तक 2,87,792 हो गई है। यह किसानों के बीच शिक्षा और जागरूकता में वृद्धि का कारण हो सकता है।

पर्यटन, विद्युत और उद्योग

19. दिल्ली की अर्थव्यवस्था में द्वितीयक क्षेत्र में विनिर्माण सब–सेक्टर प्रमुख योगदान करता है। विनिर्माण क्षेत्र से आय 2011–12 के 18907 करोड रूपये से बढकर 2023–24 (अ.अ.) में 45959 करोड रूपये हो गई।

20. नीति आयोग की रिपोर्ट एसडीजी इंडिया इंडेक्स 3.0 द्वारा किए गए आकलन के अनुसार सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) –9 यानी "समावेशी सतत औद्योगीकरण, नवाचार को बढ़ावा" दिल्ली केंद्र शासित प्रदेशों में शीर्ष पर है।

21. भारत की राजधानी दिल्ली विदेशी और घरेलू पर्यटकों के लिये प्रमुख गंतव्यों में एक है। इंडिया टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स एट अ गलांस– 2022 के अनुसार 2022 में कुल विदेशी पर्यटकों के आगमन में दिल्ली 9.50 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ **चौथे** स्थान पर रही ।

22. बिजली की अधिकतम मांग वर्ष 2013–14 के 5653 मेगावाट से बढकर 2022–23 में 7695 मेगावाट हो गई है।

23. दिल्ली में नवीकरणीय ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता सितंबर 2023 तक 339 मेगावाट (255 मेगावाट सौर ऊर्जा और 84 मेगावाट डब्ल्यूटीई) है।

24. विद्युत क्षेत्र में सुधारों के बाद दिल्ली में सकल तकनीकी और वाणिज्यिक क्षति (एटी एंड सी) में काफी कमी आयी है और यह 2002 के सुधार पूर्व (जुलाई 2002 से पूर्व) 52 प्रतिशत से घटकर 2022–23 में 6.42 प्रतिशत पर आ गयी है।

परिवहन

25. दिल्ली की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के दो महत्वपूर्ण घटक हैं– बस परिवहन, मुख्यतः डीटीसी और क्लस्टर बसों द्वारा तथा डीएमआरसी का मेट्रो रेल।

26. 2022–23 में डीटीसी बसों में दैनिक औसत यात्री संख्या 25.02 लाख, क्लस्टर बसों में 16.39 लाख और दिल्ली मेट्रो में 46 लाख यात्री थी ।

27. 31 मार्च 2023 कों दिल्ली में सड़क पर मोटर वाहनों की कुल संख्या 79.45 लाख थी। दिल्ली सरकार ने 10 साल से अधिक पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया तब से 0.34 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है।

28. वर्तमान में 63 बस डिपो (डीटीसी 40, क्लस्टर 23) हैं, जिनमें से 11 बस डिपो (डीटीसी–8, क्लस्टर 3) को विद्युतीकृत किया जा चुका है। इसके अलावा 16 बस टर्मिनल भी प्रचालन में हैं।

29. एनसीआर में डीटीसी सबसे बड़ा सार्वजनिक परिवहन इकाई है। डीटीसी शहर के 489 रूटों पर और एनसीआर के 8 रुटों पर 4346 बसें (जिसमें 1155 ई–बसें शामिल है) परिचालित करती हैं। इसके अलावा 2841 बसें (जिसमें 94 ई–बसें शामिल है) क्लस्टर योजना के तहत चलाई जा रही है।

30. रात्रि सेवा के लिए 27 रूटों पर 88 बसें चलाई जाती हैं। 30 रूटों पर व्यस्ततम समय के दौरान 30 महिला स्पेशल बसें भी चलाई जा रही हैं।

31. महिलाओं की सुरक्षा के लिए 2022–23 में डीटीसी की बसों में 8628 मार्शल और क्लस्टर बसों 2752 मार्शलों की तैनाती थी।

32. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने दिल्ली में विद्युत बसों को बढावा देने का फैसला किया है इससे वाहनों के कारण होने वाले उत्सर्जन में कमी आएगी।

33. भारत में विद्युत वाहनों के निर्माण और तेजी से अपनाये जाने की योजना (फेम इंडिया) के तहत डीटीसी में दिसंबर 2023 तक 996 बिजली चालित बसें (डीटीसी–902, क्लस्टर–94) शुरू की जा चुकी हैं।

34. दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अनेक परिवहन बुनियादी ढांचा परियोजनाएं लागू की गई। रिंग रोड और आउटर रिंग रोड के–95.13 किलोमीटर, राष्ट्रीय राजमार्ग–37.50 किलोमीटर, शाखा सड़कें–298 किलोमीटर और 30 मीटर से कम चौडाई वाली 926 किलोमीटर सड़कें बनाई गई।

35. रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार ने डीटीसी/क्लस्टर बसों में महिलाओं के लिए निशुल्क यात्रा सुविधा की शुरूआत 29.10.2019 से की। 2022–23 के दौरान महिला यात्रियों ने डीटीसी की बसों में 22 करोड़ और क्लस्टर बसों में 23.41 करोड़ निशुल्क यात्रा की।

आवास और जलापूर्ति

36. दिल्ली सरकार ने जल कनेक्शन का मीटर रखने वाले प्रत्येक घरों को 20 किलोलीटर तक पानी निशुल्क उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया है। लगभग 24.72 लाख उपभोक्ता इस योजना के लागू होने के बाद से लाभान्वित हो चुके हैं।

37. रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार उपेक्षित और सुविधावंचित क्षेत्रों तक नियमित जलापूर्ति उपलब्ध करा रही है। कुल अनधिकृत कॉलोनियों के 97 प्रतिशत को इस दायरे में लाया गया है।

38. दिल्ली के लगभग 93.5 प्रतिशत घरों को अब पाइप के जरिये जलापूर्ति हो रही है।

39. गर्मियों के दौरान जल उत्पादन 1000 एमजीडी प्रतिदिन पर बनाए रखा जा रहा है। पानी की आपूर्ति मौजूदा आपूर्ति नेटवर्क के जरिये होती है, जिसमें 15473 किलोमीटर लंबी पाइप लाइन और 117 से अधिक भूमिगत जलाशय (यूजीआर) शामिल हैं। वर्तमान आपूर्ति नेटवर्क से दिल्ली की 21.5 मिलियन आवादी को जलापूर्ति की जा रही है।

40. दिल्ली जल बोर्ड की स्थापित क्षमता में पिछले 15 वर्ष के दौरान 16.79 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। डीजेबी की 2023 के दौरान कुल जल उपचार क्षमता 946 एमजीडी है।

41. दिल्ली जल बोर्ड की शाखीय, परिधीय सीवर नेटवर्क लगभग 10000 किलोमीटर का है। 200 किलोमीटर का मुख्य सीवर नेटवर्क भी है।

42. स्व–स्थाने मलिन बस्ती पुनर्वास परियोजनाओं का उद्देश्य इन बस्तियों में रह रहे लोगों को 'जहां झुग्गी, वहीं मकान' योजना के तहत पक्का मकान उपलब्ध कराना है। दिल्ली राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) और दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के अंतर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं से आवासिये स्थिति में सुधार होने का अनुमान है।

43. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार ने ठोस कचरा प्रबंधन के तहत अनेक पहल की है। जैसे– घरों से कचरा एकत्र करना, स्रोत पर ही उन्हें अलग–अलग करना, कचरा उपचार संयंत्रों का विकेन्द्रीकरण और एकल उपयोग प्लास्टिक पर रोक लगाना।

44. कुल कचरे के लगभग 47 प्रतिशत का प्रसंस्करण कचरे से ऊर्जा और कचरे से कंपोस्ट संयंत्रों के माध्यम से किया जाता है तथा शेष को तीन कूड़ा स्थलों पर डाल दिया जाता है।

शिक्षा

45. दिल्ली सरकार के कुल 1240 सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालय हैं जो दिल्ली में चल रहे कुल स्कूलों का 22.59 प्रतिशत है।

46. वर्ष 2022–23 के दौरान सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में नामांकन का हिस्सा दिल्ली के सभी स्कूलों के कुल नामांकन का 41.61 प्रतिशत रहा।

47. यूडीआईएसई+ रिपोर्ट 2021–22 के अनुसार दिल्ली में शिक्षा के सभी स्तरों पर सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) और निवल नामांकन अनुपात (एनईआर) अखिल भारतीय स्तर की तुलना में कहीं ज्यादा है।

48. शिक्षा सत्र 2022–23 में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में उत्तीर्णता प्रतिशत 10वीं कक्षा के स्तर पर 91.1 प्रतिशत और 12वीं कक्षा के स्तर पर 94.1 प्रतिशत रहा।

49. भारतीय रिजर्व बैंक की राज्य सरकार विश्लेषण रिपोर्ट के अनुसार, 2023–24 (ब. अ.) में सभी राज्यों की तुलना में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का शिक्षा क्षेत्र में 21 प्रतिशत का सबसे अधिक बजटीय आवंटन है।

50. दिल्ली कौशल और उद्यमिता विश्वविद्यालय की स्थापना विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय कौशल शिक्षा प्रदान करने के लिए हुई, ताकि राष्ट्र के विकास के लिए प्रशिक्षित और रोजगार में लगाने योग्य मानव संसाधन विकसित करने की चुनौती का समाधान किया जा सके। वर्ष 2023–23 के दौरान विश्वविद्यालय ने अपनी प्रवेश क्षमता बढ़ाकर 7910 कर दी है।

स्वास्थ्य

51. दिल्ली सरकार 4 स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचा मॉडल लागू कर रही है। पहले और दूसरे स्तर पर मोहल्ला क्लीनिक और पॉलिक्लीनिक से प्राथमिक और द्वितीयक स्वास्थ्य सेवाएं और टियर–3 और टियर 4 पर मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के माध्यम से उपलब्ध कराई जाती है।

52. 31 मार्च 2023 को 92 अस्पताल, 39 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 1658 औषधालय, 124 मैटर्निटी होम और उप–केंद्र, 46 पॉलिक्लीनिक, 1040 नर्सिंग होम, 405 विशेष क्लीनिक और 19 मेडिकल कॉलेज दिल्ली में उपलब्ध थे।

53. दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में बहुत बड़ा योगदान है जिसके अंतर्गत 38 मल्टीस्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, 174 एलोपैथिक औषधालय, 60 सीड प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केंद्र, 521 आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक, 30 पॉलिक्लीनिक, 55 आयुर्वेदिक औषधालय, 25 यूनानी औषधालय, 117 होम्योपैथी औषधालय और 46 स्कूल स्वास्थ्य क्लीनिक नागरिकों को स्वास्थ्य उपचार सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

54. सरकार ने दिल्ली आरोग्य कोष के माध्यम से सूचीबद्ध निजी स्वास्थ्य केंद्रों में निशुल्क रेडियोलॉजिकल नैदानिक सेवाएं और निशुल्क सर्जरी शुरू की है। सड़क दुर्घटना, एसिड हमले/जलने की घटना के पीड़ित लोगों का भी उपचार दिल्ली आरोग्य कोष से किया जा रहा है।

55. शिशु मृत्युदर, नवजात मृत्युदर, पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्युदर (एसआरएस मई 2022 के अनुसार) जैसे महत्वपूर्ण संकेतकों के संदर्भ में दिल्ली 12, 9 और 14 के स्तर पर है। जबकि अखिल भारतीय स्तर पर यह क्रमशः 28, 20 और 32 है।

56. दिल्ली की कुल फर्टिलिटी रेट 1.4 है, जबकि अखिल भारतीय स्तर पर यह दर 2.0 है। यह आंकड़ा रिप्लेसमेंट रेट की उपलब्धि दर्शाता है।

57. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत महत्वपूर्ण कार्यक्रमों जैसे बच्चों के स्वास्थ्य, टीबी नियंत्रण, कुष्ठरोग उपचार पर ध्यान केंद्रित किया गया है और यह कार्यक्रम दिल्ली में दिल्ली राज्य स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से लागू किए जा रहे हैं।

सामाजिक सुरक्षा और कल्याण

58. दिल्ली में 60 से 69 वर्ष के वरिष्ठ नागरिकों को प्रतिमाह 2000 रूपये और 70 वर्ष और इससे अधिक उम्र के वरिष्ठ जनों को 2500 रूपया प्रतिमाह की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। विशेष आवश्यकता वाले लोगों और विपत्ति ग्रस्त महिलाओं को भी 2500 रूपये प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जा रही है।

59. चालू वित्त वर्ष 2023–24 (दिसंबर, 2023 तक) में लगभग 4.05 लाख वरिष्ठ नागरिकों, लगभग 3.75 लाख विपत्तिग्रस्त महिलाओं और लगभग 1.23 लाख विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

60. सरकार द्वारा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं जैसे वित्तीय सहायता, मुख्यमंत्री विद्यार्थी प्रतिभा योजना, छात्रों को ट्यूशन फीस और छात्रवृत्ति की प्रतिपूर्ति आदि।

61. दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, बाल विकास, किशोर न्याय, बाल मनोविज्ञान और उपेक्षित बच्चों की देखभाल से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए कार्यरत है।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली

62. सरकार द्वारा सार्वजनिक वितरण नेटवर्क जिसमें दिल्ली भर में 1997 उचित मूल्य की दुकानें (एफपीएस) शामिल हैं, 31 मार्च 2023 तक 17.84 लाख डिजिटल खाद्य सुरक्षा कार्डों के माध्यम से 72.78 लाख लाभार्थियों को भोजन प्रदान किया गया। ये खाद्य सुरक्षा कार्ड आधार सक्षम हैं।

63. दिल्ली में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की योजनाओं के तहत, एएवाई– अंत्योदय अन्न योजना राशन कार्ड धारकों को प्रति माह 35 किलोग्राम खाद्यान्न (चावल– 10 किलोग्राम, गेहूं– 25 किलोग्राम) और 1 किलोग्राम चीनी मिलती है और पीएचएच– प्राथमिकता घरेलू श्रेणी के लाभार्थियों को प्रति माह 5 किलोग्राम खाद्यान्न (चावल– 1 किलोग्राम, गेहूं– 4 किलोग्राम) मिलता है।

****